2. लुट् 1. A. i. q. 1. हट्.

3. त्तुर् 10. म. (भाषार्थे * भाषे r.) loqui. G. 2. रह, रहू.

1. तुरु 6. र. se volutare. HIT. 123.18.: पतित: पृथिवी-तले लुलीठ; 55.11.: मणित्र लुठति पादेषु. (V. 1. लुटु et cf. hib. *liuth* «I move, I hasten».)

2. लुठ् 1. म. (उपघाते र. प्रतीघाते म.) ferire, occidere, perturbare; arcere, avertere. Cf. ह्रुट्.

3. त्त्रु 1. 4. (प्रतोघाते) arcere, avertere. Cf. ह्रूट.

4. लार्ट् 10. F. furari. Cf. लुगरू, लुगरू, लुगरू.

1. लुड्ड 1. म. agitare, perturbare. Caus. id. МАН. 1. 2833.:
तढ्र वनम् ... लोडयामास उष्यन्तः; R. Schl. II.
95. 18.: मृगयूथलोडिताम् · Gf. 1. लुट्ट, 1. लुट्ट, लुल् ·
c. म्रा Caus. 1) agitare. МАН. 1. 7921.: कामेना "लोड्यते मनः 2) miscere. R. Schl. II. 48.24.: विषम् पिवता "लोड्य; МАН. 4. 689.: विषम् म्रालोड्य पास्यामिः

v. sq.

с. म्रा praef. सम् Caus. miscere. Ман. З. 11477.: विषम् एतत् समालोड्य प्राशितन् त्वयाः

2. त्र्ड 6. म. (संवृती ४. शिलाषि म.) tegere; amplecti.

1. लुएर् 1. म. (स्तेये ४. हून्तै। म.; scribitur लुट्, gr. 110°).) furari. G. हाएर्, लुएट्, 4. लुट्

2. लुएरू 1. et 10. P. (स्तेये K. म्रवज्ञाचीर्ये P.) furari; spernere, despicere. P. 1. लुएट्र.

ल्पाठ् 1. P. (scribitur लुठू, gr. 110a).) i. q. हार्ड्र.

ल्गाउँ 10. म. (चीर्ये) furari. V. 1. लुएट्.

लुएयू 1. म. हिंसासङ्क्लोशयोः; scribitur लुघू, gr. 110°).) ferire, laedere, occidere; dolore afficere.

1.तुप् 6. १. ४. लुम्पामि, लुम्पे (gr.335.). Findere, rumpere, interrumpere, irrumpere, conturbare, perdere, destruere. MAH. 1. 5560.: लोकान् विश्वासयित्वै 'व ततो लुम्पेर् यथा वृक्त: Hir.113.3.: स्वामिनं लोप्तुम् इच्छामिः MAN. 2.189.: तस्य व्रतन् न लुप्यतेः 9.211.: तस्य भागा न लुप्यतेः BR. 2.15.: बाले ऽस्मिन् म्रनाये ... सर्वतो लुप्तेः BH. 1.42. — Caus. laedere,

violare, turbare. MAN. 8.16.: धर्मन् न लीपयेत्; R. Schl. II. 35.9. — Cum abl. avertere. RAGH. 12.9.: स्त्याद् गुरुम् अलीपयन् (Cf. lat. rumpo, ruptus = लुसस्; lith. luppù glubo, cutem, pellem detraho; russ. luplju id.; polon. tup-a-ć scindere, tupież praeda, rapina (v. लीप्त्र); slav. lom-i-ti frangere; goth. raubô rapio, raupja evello (v. लुझ्) = Caus. रापयामि; fortasse etiam lat. rapio ad Caus. referendum est, abjecto posteriore diphthongi मा elemento; gr. λέπω; hib. reubaim «I tear, lacerate», reuban «plundering, destroying, robbery»; lomaim «I sheer, shave, make bare» = लुम्पामि ejecto प्.)

c. म्रव irrumpere. MAN. 7.106.: वृक्ववचा 'वल्म्पेत

с. प्र disturbare, destruere. Ман. 1.7750.: ब्राह्मणस्य ... हिन्सि धाङ्कीः प्रलुप्यते

c. प्र praef. वि perturbare, disturbare, destruere. MAN. 3. 225.: तदू (स्रवम्) विप्रलम्पन्त्य स्रस्राः

с. वि id. Ман. 3. 204: र्चांसि हि विलुम्पन्ति श्राद्यम् आर्चवर्जितम्; R. Schl. I. 20. 3.: तस्य यद्यो हि र्चान्मिम् तदा विलुलुपे; II. 64. 63.: स्मृतिर मम विलुप्यते — Саиз. id. Ман. 1. 7752. Exstinguere. Ман. 1. 5233.: तेन (वायुना) तत्र प्रदीपः स दोप्यमाना विलोपितः

2. ल्पू 4. P. i. q. ह्पू 4. P.

लुड्ध v. लुभू (gr. 83.).

लुडधका m. (a praec. s. का) venator. N. 11.33.

1. तुम् 4. p. cupere, desiderare. लुड्स cupidus, avidus.

HIT. 10. 2.: तण्डुलकणलुड्सान् कपातान्;

BH. 18.27. — Caus. pellicere, excitare. R. Schl. I. 64.8.:
लोभयामास लिलता विश्वामित्रम्; 12.: यन् माम्
लोभयसे रम्मे. (Cf. lith. hibju appeto, concupisco, praesertim nuptias; slav. liub-i-ti amare; germ. vet. liubiu amo

— Caus. लोभयामि, liub carus, dilectus, liubi amor; lat. lubet, libet, libido.)

с. प्र i. q. simpt. MAN. 9.20.: प्रलुलुमे. Caus. pellicere. Su. 1.12.: रही: प्रलोभयामासु: स्त्रीभिश्ची 'भी.

c. वि Caus. pellicere, excitare. RAGH. 19.10.: ऋङ्गास्